CRIME BS इंडिया आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक
आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान

कार्यकारी संपादक : शुभम देशमुख

● वर्ष -३ ● अंक - ५५ ● बुधवार दि.०६ नवंबर २०२४ ● RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ● पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ● Gmail-awazbhandara@gmail.com

3 विस से 50 उम्मीदवार मैदान में 21 ने लिया नाम वापस,

जिले में चतुष्कोणी का होगा मुकाबला

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भंडारा जिले की तीन विधानसभा सीटों भंडारा, तुमसर और साकोली में कुल 50 उम्मीदवार अब चुनावी मुकाबले में रह गए हैं. सोमवार, 4 नवंबर को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख थी, जिस दौरान कुल 21 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया जिनमें भंडारा से 12, तुमसर से 5 और साकोली से 4 नामांकन शामिल हैं. अब मैदान में महायुति, महाआघाड़ी, और अन्य राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के साथ-साथ बागी और निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं.

भंडारा विधानसभा : 19 उम्मीदवार मैदान में

भंडारा विधानसभा क्षेत्र में छानबीन के बाद 31 उम्मीदवारों का नामांकन वैध ठहराया गया था, लेकिन अब 12 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है. जिससे अब 19 उम्मीदवार चुनावी अखाड़े में हैं. इनमें प्रमुख उम्मीदवारों में शिंदे शिवसेना से मौजूदा विधायक नरेंद्र भोंडेकर, उद्धव ठाकरे शिवसेना के बागी उम्मीदवार नरेंद्र पहाडे, कांग्रेस से पूजा ठवकर शामिल हैं और कांग्रेस के बागी प्रेम सागर गनवीर शामिल हैं. इनके अलावा अन्य उम्मीदवारों में डॉ. अश्विनी लांडगे, बालक गजभिये, अरुण गोंडाणे, सुरेश भवसागर, सुरेश मोटघरे, और कई अन्य शामिल हैं.

साकोली विस: 13 उम्मीदवार मैदान में

साकोली विधानसभा क्षेत्र में 17 उम्मीदवारों का नामांकन वैध ठहराया गया था. 4 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस लिया है. अब यहां कुल 13 उम्मीदवार मैदान में हैं. प्रमुख उम्मीदवारों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, भाजपा से अविनाश ब्राह्मणकर और भाजपा के बागी डॉ. सोमदत्त ब्रहमानंद करंजेकर शामिल हैं. अन्य उम्मीदवारों में रोशन फुले और अन्य उम्मीदवार शामिल हैं.

तुमसर विधानसभा: 18 उम्मीदवार मैदान में

तुमसर विधानसभा क्षेत्र में 23 उम्मीदवारों का नामांकन वैध ठहराया गया था, जिनमें से 5 ने अपना नामांकन वापस ले लिया. अब 18 उम्मीदवार मैदान में हैं. मुख्य उम्मीदवारों में महायुति के तहत अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी पार्टी के मौजूदा विधायक राजू कारेमोरे और महाआघाड़ी के तहत शरद पवार गुट की राष्ट्रवादी पार्टी से चरण वाघमारे शामिल हैं. साकोली से कांग्रेस विधायक रह चुके सेवक वाघाये लोक सभा चुनावों के बाद अब तुमसर से निर्दलीय के तौर पर अपना भाग्य आजमा रहे हैं. अन्य उम्मीदवारों में लालाजी बोरकर, लिलाधर बिरनवारे, भगवान भोडे और अन्य नाम शामिल हैं.

21 उम्मीदवारों ने तीनों विस क्षेत्रों से नामांकन लिया वापस

जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों से कुल 21 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया है. इनमें भंडारा से मनोज बागडे, रतन सुखदेवे, अरविंद भालाधारे, श्रद्धा डोंगरे और अन्य शामिल हैं. तुमसर से अनिल बावनकर, मधुकर कुकडे, नरेश इश्वरकर, और साकोली से मनोज बागडे, राजेश काशिवार समेत 21 उम्मीदवारों ने नामांकन पीछे लिया है

सकोली में त्रिकोणिय, तुमसर में होगा सीधा मुकाबला

नाम वापसी के बाद अब विधानसभा क्षेत्रों में बहुकोणीय मुकाबले का अंदेश है. भंडारा में महायुति के नरेंद्र भोंडेकर, उद्धव ठाकरे गुट के बागी उम्मीदवार नरेंद्र पहाडे और, कांग्रेस की ठवकर और कांग्रेस के बागी प्रेमसागर गनवीर के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला होगा. गनवीर की बगावत से कांग्रेस को अच्छा खासा नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है. इसी तरह साकोली में न नाना पटोले, अविनाश ब्राह्मणकर और डॉ. सोमदत्त करंजेकर के बीच तिरंगी लड़ाई होगी. तुमसर में अजित पवार और शरद पवार गुट के उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला होगा, जहां बागी उम्मीदवार भी अहम भूमिका निभा सकते हैं. तीनों क्षेत्रों में मतदाताओं के बीच गहरी दिलचस्पी बनी हुई है और सभी दल अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं.

प्रशासन के काम में प्रशासन की आंखों के सामने खुले आम निष्कृष्ट दर्जे का काम

आखिर कब करेगी प्रशासन ठेकेदार पर कार्रवाई ?

क्या संबंधित अधिकारी का ठेकेदार के साठगांठ

आखिर इस काम में टेस्टिंग और लैबोरेट्री से क्यों नहीं की जा रही जांच

एसडीओ और तहसील कार्यालय के काम में टेस्टिंग और लैबोरेट्री क्यों है गायब

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले में एसडीओ और तहसील कार्यालय के काम में निष्कृष्ट दर्ज का काम किया जा रहा है जिसको लेकर भंडारा जिले में सनसनी मच गई है कि इस काम से क्या मजबूत फाउंडेशन रहेगा ऐसी चर्चा हो रही.

भंडारा कलेक्टर ऑफिस के सामने एसडीओ तहसील कार्यालय का काम 11 करोड़ का किया जा रहा है जिसे अर ढअफमें मोटवानी नामक ठेकेदार कर रहे हैं इस निष्कुश्त दर्ज के काम की जानकारी वीएस क्राइम इंडिया न्यूज को मिलते ही मौके पर पहुंच 'गिट्टी में मिट्टी' 'रेती में मिट्टी' 'बोल्डर में मिट्टी' का उपयोग खुले आम किया जा रहा है जो इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है मौके पर ना टेस्टिंग लैब ना लैबोरेट्री नहीं इंजीनियर नजर आ रहे हैं.

लेकिन संबंधित अधिकारी इस कार्य की तारीफ करते नजर आ रहे हैं बस आवाज भंडारा के संपादक ने इंजीनियर खोबरागड़े से इस काम की शिकायत की तो जवाब कुछ इस प्रकार दिया गया जिसे सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे कहा कि यह काम ठेकेदार बखूबी कर रहे हैं और काम अच्छी तरह से चल रहा है इस काम में किसी प्रकार की खराबी नहीं है और ठेकेदार का पक्ष लेते हुए कहा कि तुमको चीन अधिकारी को तकरार करना है करो हमारा कुछ नहीं कर सकता और उसे समय स्वयं ठेकेदार ही बैठे नजर आ रहे थे उन्होंने इस पर किसी प्रकार का प्रति साल नहीं दिया इलेक्शन का दौर है जिसके कारण ठेकेदार पूरा फायदा उठाते निष्कृष्ट दर्जे का काम कर रहा है जिस एसडीओ तहसील कार्यालय का काम में बिना टेस्टिंग बिना और बिना इंजीनियर के काम किया जा रहा है उसे काम में कितनी मजबूती होगी यह सवाल उठ रहा है ??

जिन काम में मिटटी भरी रहती की अवधी केवल 30%-70% नजर आ रही है उसे काम की क्या गारंटी की वह मजबूती का सबूत देगा शासकीय काम में इस तरह का गोलमाल किया जा रहा है तो अन्य काम में किस तरह का काम किया जाता होगा यह सोचने वाली बात है ??

क्या इस काम को देखकर जिलाधिकारी एक्शन मोड पर आएगे ?? क्या ऐसे ठेकेदार और इंजीनियर पर कार्रवाई होगी ?? ऐसा चर्चा का विषय बना हुआ है आवाज भंडारा खबरों के माध्यम से शासन प्रशासन को जागृत करता है कि ताकि इस तरह के ठेकेदार इंजीनियर का खुलासा हो सके.

भंडारा विस में 'घमासान' की अनोखी तस्वीर पेश

कार्टूनिस्ट मुन्ना नागोरी का कार्टून चर्चा में

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : प्रसिद्ध राजनीतिक और व्यंग्य कार्टूनिस्ट मुन्ना नागोरी ने अपने नवीनतम कार्टून में भंडारा विधानसभा क्षेत्र की राजनीतिक उठापटक को अनोखे ढंग से पेश किया है. उन्होंने इसे एक बॉक्सिंग अखाड़े के रूप में चित्रित किया है, जिसमें विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख उम्मीदवारों के बीच चल रहे संघर्ष को उन्होंने व्यंग्यात्मक शैली में उकेरा है. इस कार्टून में निवर्तमान विधायक नरेंद्र भोंडेकर और कांग्रेस की उम्मीदवार पूजा ठवकर को अखाड़े के बीच एक-दूसरे के आमने-सामने लड़ाई की मुद्रा में खड़ा दिखाया गया है. कार्टून में विशेष रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि नागोरी ने बागी उम्मीदवारों की भूमिका को बड़े ही दिलचस्प तरीके से प्रस्तुत किया है. उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार नरेंद्र पहाड़े को विधायक भोंडेकर के पैर खींचते हुए दिखाया है. जबकि कांग्रेस के बागों उम्मीदवार प्रेमसागर गणवीर को कांग्रेस की उम्मीदवार पूजा ठक्कर के पैर खीचते हुए दशार्या गया है.इस तरह नागोरी ने भंडारा विधानसभा में उम्मीदवारों के बीच चल रही खींचतान और संघर्ष को दर्शकों के सामने सरल व व्यंग्यात्मक अंदाज में पेश किया है.

नागोरी अपने काटूनों में हमेशा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं, और उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चित रहता है. नागोरी के इस कार्टून को भंद्रारा विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य का सटीक चित्रण माना जा राय है. जहां कई उम्मीदवारों की आपसी खींचतान और गुटबाजी ने चुनावी माहौल को और भी रोचक बना दिया है. इस कार्टून ने सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा बटोरी है, जहां लोग नागोरी के व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण और उनकी रचनात्मकता की सराहना कर रहे हैं. या कार्टून भंडारा विधानसभा चुनाव में बागियों की भूमिका और मुख्य उम्मीदवारों के बीच जारी संघर्ष को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करता है, जो राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है.

नरेंद्र पहाडे, पुजा ठवकर पहीले नंबर की लढत तो तीसरे नंबर पर भोंडेकर की चर्चा

बीजेपी संघ या राष्ट्रवादी २०१९ का चुनाव कार्य फिरसे दोहरायेगा चर्चा मे?

प्रेमसागर गणवीर ने की कॉंग्रेस से की बगावत, क्या इससे कॉंग्रेस होगा नुकसान?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्हे मे विधानसभा के इलेक्शन को लेकर बडी चर्चा का विषय बना हुआ है . एक और विधायक भोंडेकर जो महायुती के उमेदवार है इनकी विकास कार्य के सरहना को लेकर चर्चा बनी हुई है. वही दुसरी और कॉंग्रेस के उमेदवार पूजा ठवकर चर्चा मी बनी हुई है. उसी प्रकार उभाठा की तिकीट ना मिलने पर अपक्ष उमेदवार नरेंद्र पहाडे बीजेपी और संघ की सहयोगी चर्चा मे बने हुए है. भंडारा पवनी विधानसभा क्षेत्र में जहा पहिले नंबर पर नरेंद्र पहाडे चर्चा की जा रही है.

वही पूजा ठवकर और नरेंद्र पहाडे की पहिले नंबर की लढत की भी चर्चा हो रही है. यदि बीजेपी महायुती के उमेदवार नरेंद्र भोंडेकर को बीजेपी और संघ अपक्ष उमेदवार नरेंद्र पहाडे की चलाने की चर्चा चल रही है. एक और अयोध्या मे रामजी की स्थापना होने के बाद बीजेपी वाहासे हार गयी है. उसी प्रकार भंडारी मे खाब तलाव में रामजी की मूर्ति की स्थापना होने के बाद महायुती के उमेदवार को संघ और बीजेपी काय सपोर्ट नही मिलेगा ऐसा चर्चा बना हुआ है. जहा भंडारा विधानसभा की बडी लढत कही जा रही थी वही अपक्ष उमेदवार नरेंद्र पहाडे पहिले नंबर की चर्चा की जा रही है. वही दुसरे नंबर पे कॉंग्रेसके उमेदवार पूजा ठवकर की बात की जा रही है और तिसरे नंबर पर महायुती के उमेदवार शिवसेना से भोंडेकर की चर्चा की जा रही है. भंडारा जिले मे विकास की बात तो की जा रही है और विकास अपूर्ण होने की भी बात की जा रही.

यह बहुत चर्चा का विषय बना हुआ है. जिस तरह से भंडारा की जनता के लाडले उमेदवार नरेंद्र पहाडे चर्चा का विषय बना हुआ है. क्या इस बार भी 2019 जैसी राजनीति चलेगी. जिस तरह से शिवसेना के तिकीट नरेंद्र भोंडेकर को नही मिली थी और बीजेपी राष्ट्रवादी इनकी संयुक्त युती बनकर अंदुर्णी सपोर्ट किया गया था और भोंडेकर को जीता कर लाया गया था उसी तरह इस बार उभाठा की तिकीट नरेंद्र पहाडे को नही मिली और अपक्ष उमेदवार नरेंद्र पहाडे को अंद्रूनी बीजेपी राष्ट्रवादी और अन्य दल का सहयोग मिलेगा ऐसी चर्चा बडे जोरो शोरू पे चल रही है. जहा एक और कॉंग्रेस के उमेदवार पूजा ठवकर चर्चा जोरपे चल रही है.

ऐसी चर्चा से भंडारा शहर का राजनीति का मोड एक अलगी हो चुका है. की जहा तीसरे नंबर की चर्चा पर नरेंद्र भोंडेकर जो महायुती के उमेदवार है वही अभी अपक्ष उमेदवार नरेंद्र पहाडे और पूजा ठवकर की पहिली नंबर की लढत को लेकर चर्चा की जा रहा है. उसी कारण भंडारा जीले मे विधानसभा इलेक्शन मे कोण किसकी लढत मे रहेगा ये सवाल बडे पैमाने पर पे हो रहा है.

आवाज भंडारा यह पेपर किसी पक्ष या उमेदवार की सराहना नही करता लेकिन भंडारा जिले मे महासंग्राम विधायक चुनाव को लेकर चल रहा है ऐसी चर्चा का एक जनक बनकर लोगो को प्रतिक्रिया प्रदान करता है.

भाजपाइयों में विद्रोह, महायुति का बढ़ा टेंशन

अवधि तय की गई थी : हालांकि कोली निर्दलीय व माविआ के उम्मीदवार में टक्कर

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदुर : महामुति से घोषित उम्मीदवार के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से भाजपाइयों में आक्रोश व्यक्त किया जा रहा था. जिसे लेकर बीजेपी से उम्मीदवारी के लिए इच्तुकों ने बगावत की चेतावनी भी दी थी. इस बावत के तहत साकोली विस चुनाव में भाजपाइयों ने फिप्रेह की भूमिका लेकर एक निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन करने की योजना बनाई है. जिसके कारण महायुति के उम्मीदवार का चुनावी टेंशन बढ़ने की चचर्चा की जा रही है. आगामी 120 नवंबर को हो रहे विस चुनाव के तहत पिछले 29 अक्टूबर तक विभिन्न उम्मीदवारों ने नामांकन दर्ज किए थे. उक्त नामांकन के तहत 4 नवंबर को नामांकन वापसी की अवधि तय की गई थी. हालांकि साकोली विस चुनाव के लिए माविआ के तहत

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले जबकि महाद्युति के तहत अविनाश बामणक को उम्मीदवारी घोषित की गई है. किंतु महायुति से घोषित उम्मीदवार के खिलाफ भाजपायों ने शुरू से ही विरोध दिखाया था. इस विरोध को लेकर भाजपाइयों ने बीजेपी के ही मूल कार्यकर्ता अथवा पदाधिकारी को उम्मीदवारी देने की मांग की थी. हालांकि उक्त मांग के अनुसार उम्मीदवारी घोषित नहीं करने पर बगावत की चेतावनी दी गई थी. इस चेतावनी के अनुसार बीजेपी के डा. सोमदत्त करंजेकर एवं पूर्व विध्धायक बाला काशीवार में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी नामांकन दर्ज किया था. जिसमें से बाला काशीकर ने नामांकन वापस लेकर डा. सोमदत करंजेकर के निर्दलीय उम्मीदवारी को समर्थन देने की चर्चा है. इस बीच 4 नवंबर को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दर्ज हुए डा. सोमदत्त करंजेकर ने नामांकन वापस नहीं लिया है.

जिसके कारण साकोली विस चुनाव में त्रिकोणीय लड़ाई तय मानी जा रही है. इस बीच भाजपाइयों ने महश्युति के उम्मीदवार को विरोध बनाए रखते हुए निर्दलीय उम्मीदवार के समर्थन में मोट करने की अपील सोशल मीडिया पर की है. जिसके कारण महायुति के उम्मीदवार का चुनावी टेंशन बढ़ने की चर्चा की जा रही है.

माविआ के उम्मीदवार को लाभ

महायुति से घोषित उम्मीदवार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त कर भाजपाइयों ने निर्दलीय उम्मीदवार के समर्थन की अपील की है. इस घटना से महायुति के मतदाताओं के वोटों के विभाजन की आशंका नाकत की जा रही है. जिसका लाभ मावि के उम्मीदवार की होकर उक्त उम्मीदवार के चुनावी जीत की संभावना

व्यक्त की जा रही है. दलित वोटों के लिए लगेगी होड

पिछले लोस चुनाव में दलित मतदाताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. जिसके बलते भंडारा-गोंदिया संसदीय क्षेत्र के उम्मीदकर की चुनावी जीत हुई थी. हालांकि विस चुनाव में भी मावि के उम्मीदवार को उक्त वोटों के समर्थन की उम्मीद लगाई जा रही है. जबकि निर्दलीय रूप से चुनावी मैदान में खड़े विभिन्न उम्मीदवार भी दलित वोटों के समर्थन को लेकर उम्मीद लगाए होने की वर्चा है जिसके लिए माविआ एवं निर्दलीय उम्मीदवार के तहत दलित वोटों के समर्थन को लेकर होड़ लगने की संभावना सक्त की जा रही है.

संपादकीय

जनतेकडून नव्या नेतृत्वाचा शोध !

यंदाची विधानसभा अनेक कारणांमुळे वेगळी आणि वैशिष्ट्यपूर्ण ठरणार आहे. स्पष्ट बहुमताचा अभाव, अनिश्चितता, बंडखोरी, आपल्या पक्षातील घटकांवरील अविश्वास, राजकारणाच्या पटावरील हे धोके मागील पाच दशकांच्या राजकारणाच्या तुलनेत यंदाच्या विधानसभा निवडणुकीत प्रकर्षाने जाणवणार आहेत. सत्ताकेंद्रांची वाढती संख्या हे यामागील महत्त्वाचे कारण आहे. असे असताना परंपरागत सत्ताधारी आणि प्रतिस्पर्धी अशी यंदाची निवडणूक नाही, परंतु हेच लोकशाहीचे बलस्थान आहे. राजकारणातले हे स्थित्यंतर एकाधिकारशाहीच्या विरोधात म्हणूनच आहे हेच लोकशाहीचे गमक असल्याने या दोलायमान स्थितीचे स्वागतच व्हायला हवे. मागील चार दशकांपूर्वी राज्यातच नाही तर देशातही काँग्रेस आणि त्याविरोधातील घटक पक्ष असेच चित्र होते. देशातील आणीबाणीनंतर स्थिती बदलली, हे स्थित्यंतराने प्रादेशिक आणि घटक पक्षांचे अस्तित्व गडद केले. देशातल्या केंद्रीय किंवा प्रादेशिक राजकारणाचा विचार करता जनतेने कोणत्याही राजकीय अहंकाराला वेळोवेळी जमिनीवर आणण्याचे काम केले आहे. केंद्रात काँग्रेस, भाजप आणि राज्यात शिवसेना, राष्ट्रवादी या पक्षांनाही हा अनुभव आहे. यंदाची निवडणूकही राजकारण्यांच्या 'गवार्चे घर खाली' करणारी ठरणार आहे.

पुन्हा येईन म्हणणारे माजी मुख्यमंत्री पुन्हा येऊ शकले नाहीत, शिवसेनाप्रमुखांच्या सुपुत्रांनाही बंडखोरीतून सत्तेचा 'त्याग' करावा लागला तर शिवसेनाप्रमुखांच्या हुबेहूब 'राज' कारणाच्या परंपरेलाही मागील विधानसभेत एकाच जागेवर समाधान मानावे लागले. पवार घराण्यातील सत्तेसाठीची कौटुंबिक अहमहमिका लपून राहिलेली नाही, शिवसेना आणि राष्ट्रवादीची दोन शकले झाली तर गांधीजींचा वारसा सांगणा□्या सर्वात जुन्या राजकारणाला राज्यात पुरेसा परिणामकारक चेहरा नाही, या गोंधळलेल्या गर्दीत एखाद्या चेह□्यावर विश्वास ठेवावा असा चेहराच या गढुळल्या राजकारणात शोधूनही सापडत नाही. ही गढुळता लोकशाहीतील राजकीय घुसळण म्हणून सकारात्मकतेने घ्यायला हरकत नाही. या गढुळल्या वातावरणात जनतेचा विश्वास एकच ठिकाणी केंद्रित झालेला नाही. त्यामुळे नव्या नेतृत्वांना संधी आहे. मागील एक दीड दशकापासून राज्यांच्या राजकारणावर प्रभाव टाकणारी 'लाट' पुरती ओसरली आहे. तर राज्यातील विद्यमान सरकारही राज 'नैतिक' मार्गाने सत्तेवर आले नसल्याचे मतदारांना माहिती आहे. अशा परिस्थितीचा लाभ घेण्याचा प्रयत्न जरांगे पाटील आणि तिस□्या आघाडीकडून होणार आहे. यंदा सर्वच राजकीय पक्ष अंधारात चाचपणी करत आहेत, या राजकीय अंधारात मारलेला तीर अचूक लक्ष्यभेद करेलच याची खात्री नाही, मात्र या तिरांमुळे मुख्य पक्षांना इजा होईल, हे स्पष्ट आहे.

महाराष्ट्रातील आरक्षण आणि सामाजिक मुद्यांवरून आकाराला आलेल्या राजकारणाचा हा पहिला, परंतु थेट टप्पा आहे. केंद्रातील अण्णा हजारेंच्या आंदोलनामुळे तत्कालीन काँग्रेसला नुकसान झाले आणि भाजपच्या सत्तेचा मार्ग प्रशस्त झाला होता. आंदोलनाच्या या राजकीय मंथनातून राजधानीत 'आप'चा उदय झाला. काँग्रेसमधील अंतर्गत राजकारणाला कंटाळलेल्या जनतेला सक्षम आणि मजबूत पर्याय हवा होता, हा पर्याय पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी दिल्यावर जनतेने त्यांच्या पदरात भरभरून दान टाकले. महाराष्ट्राचे मागील पाच दशकातील राजकारण हे खरंतर मराठा घटकाच्या प्रभावाचेच राहिले आहे. त्यामुळे जरांगे पाटील यांचे सकारात्मक आणि नकारात्मक मूल्य लक्षात घेता त्यांना हलक्यात घेणे सत्ताधारी आणि विरोधकांनाही परवडणारे नाही.

यंदाची निवडणूक ही स्थित्यंतरातून जाणारी असल्याने महत्त्वाची आहे. प्रस्थापित पक्षांच्या राजकारणाला आव्हान देणारी असल्याने महत्त्वाची आहे. प्रस्थापित पक्षांवरील अविश्वासाने नव्या राजकारणाला पोषक वातावरण तयार केले आहे. म्हणूनच 'ओबीसी विरोधात मराठा' या मतांचे राजकारण एवढाच मर्यादित अर्थ त्याला नाही. दोन्ही गटांचा प्रभाव मोठा आहे हे स्पष्ट आहे, परंतु या दोन्ही गटांना सद्यस्थितीत महाराष्ट्राच्या राजकारणावर विश्वास नसल्याचे चित्र आहे. 'जरांगेविरुद्ध हाके' हे चित्र म्हणूनच फसवे आहे. त्यामुळे या दोन्ही पक्षांना बळ देण्याची भाषा करून होणारे राजकारण खरे नाही. जरांगे पाटील यांनी महाराष्ट्रात उमेदवार उभे करण्याची केलेली घोषणा अंमलात आणण्यास सुरुवात केली आहे. दुसरीकडे भाजपचा परंपरागत ओबीसी समुदायाचा मतदारही जरांगेंच्या विरोधात थेट रिंगणात भाजपच्या बाजूने उतरेल याचीही खात्री नाही.

जरांगे पाटील यांनी आपले उमेदवार उभे करताना सत्तेपेक्षा उपद्रवमूल्य लक्षात घेतल्याने विद्यमान सत्ताधा□्यांसाठी ही निवडणूक सोपी राहिलेली नाही. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांच्या सत्त- स्थापनेपासूनच लोकांमध्ये हे राजकीय खेळीतून सत्तेत आलेले सरकार असल्याचा विचार ठाम झाला आहे. दुसरीकडे सत्तेच्या काळात धोरणात्मक निर्णय आणि त्याचा पुरेसा परिणाम मतांमध्ये बदलण्यासाठी सत्ताकाळात मिळालेल्या वेळेचा अभाव ही शिंदे यांच्या शिवसेनेची कमकुवत बाजू होती. त्यामुळे घाईघाईने घेतलेले आकर्षक आणि मतदारांना भुरळ पाडणारे निर्णय दूरगामी परिणाम करू शकत नाहीत, हे मतदार जाणून आहेत. केंद्राकडून होणा□्या कारवाईच्या धास्तीने अशोक चव्हाणांसह अनेक नेत्यांनी भाजपात प्रवेश केला.

अजित पवारांवर ज्यांनी आरोप केले त्यांनीच फुटलेल्या राष्ट्रवादीसोबत सत्तेसाठी वाटाघाटी केल्या. एकनाथ शिंदेंवर खोक्यांचे आरोप झाले तसेच राज्यात भाजपाचा 'केंद्रीय' प्रभाव पुरता ओसरला आहे. अशा वेळी महाराष्ट्राला एका प्रभावी आणि मजबूत नेतृत्वाची गरज आहे. जुन्या प्रस्थापित नेत्यांकडून निराशा पदरात पडल्याने यंदाच्या निवडणुकीत जनतेकडून नव्या नेतृत्वाचा शोध घेतला जाऊ शकतो.

जिल्ह्यातील शासकीय आधारभत धान खरदी केंद्र अद्यापही बंदच

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तमसर : भडांरा जिल्ह्यातील खरीप हगामातील पावसाळी धान फसल कटाइ व मळणी जामात सरू असन हलक्या जातीच धान शतकरी शासकीय आधारभत धान खरदी कद्र अद्याप सरू न झाल्यान कम ी भा वा त ख ा जग ी व्यापा□्याना विकी करीत आहत. त्यामळ शासनान त्वरित धान खरदी कद्र सरू कराव अशी मागणी स्वराज्य यवा एकता फाउडशनचे सस्थापक अध्यक्ष अमित एच. मश्राम याच्यासह धान उत्पादक शतक□्यानी कली आहे.

जिल्ह्यात धानाची शती माठया प्रमाणात आह व शतकरी शतीवर अवलबन आह. सध्या हलक्या जातीच १००-११० दिवसाच थान परिपक्व हाऊन कटाइ सरू असन मळणी सध्दा जामात सरू आह. तसच अनक शतकरी यावर्षी अनक राग यात खाडकिडा, अळी व परवा या रागामळ धान फसल ताट्यात आह अस शतक□्याच म्हणण आह. दिवाळी सारखा सण हा हिद सस्कत ी त अत यत महत्वाचा असन आधारभत धान खरदी कद्र बद असल्यान शतक□्य ाची दिवा ळी ह ी अधारात गली आहे . त्यामळ शतकरी धान विकी करीता शासकीय आधारभत धान खरदी कद्राची सरू हाण्याची आतरतन वाट बघत आह.

जिल्ह्यात नहमी दिवाळीपर्वी धान खरदी कद्र सरू व्हायची. परत यदा कद्र सरू न झाल्यान धान उत्पादक शतकरी चितातर झालला दिसत आह. शासनान साधारण ह्लअह्व श्रण ीच ा अ ा णि ह्लब ह्य श्रणीच्याथानाला हमीभाव जाहीर कले असला तरी शासकीय धान खरदी कद्र सरू न झाल्यामळ शतक□्याना महनतीच धान खाजगी व्यापा □्याना कमी भावात विकी करावी लागत व क्विटलमाग १५०-२०० रु. ताटा सहन करावा लागत आह. त्यात शतक□्याना आथिक नकसान ह ात अ ा ह.

त्य ा मळ स रू व ा त ी प ा स न शतीमशागतीसाठी कलला खच व घतलल कज दरवर्षी थकीत असता व कजाच डागर वाढत जात. कारण की, कजाची परतफड ह ात नाह ी तसच स्वतःच व कटबाच उदरनिवाह करत ा यत नाही. त्या मळ शतक□्याना आत्महत्या हा श वटचा माग निवडावा लागता. त्यामळ शासनान शतक□्याचा अत न बघता त्वरित भडारा जिल्ह्य ा त ी ल शा सकी य आधारभत धान खरदी कद्र सरू कराव व शतक□्याची हाणारी पिळवणक थाबवावी अशी मागणी स्वराज्य यवा एकता फाउडशनच सस्थापक अध्यक्ष अमित एच. मश्राम याच्यासह धान उत्पादक शतकरी बांधवानी शासन व प्रशासनाकड कली आहे.

प्रवाश्यांचा जीव मुठीत घेऊन भंगार बसमधून प्रवास

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

दिघोरी (मोठी) : 'देणा-याचे हात हजारो, दुबळी माझी झोळी', अशी अवस्था साकोली एसटी आगाराची झाली आहे. प्रवाशाची पहिली पसंती एसटीच. 'वाट पाहील, पण एसटीने जाईल', अशी जाहीरातबाजी करुन व महिला ५० टक्के तर जेष्ठ नागरिकांना शंभर टक्के सवलत, अशा विविध नवलतीच्या माध्यमातून एसटीच्या प्रवासात मोठी वाढ झाली, हे मात्र सत्य असले तरी साकोली आगाराच्या बसेस मात्र प्रवाश्यांना जीवघेणा ठरत आहेत. प्रवाश्यांना जीव मुठीत धरुन भंगार बसमधून प्रवास करावा लागतो आहे. मात्र या भंगार बसेसकडे एसटी

महामंडळाचे दुर्लक्ष आहे, असे दिसून येत आहे.

साकोली आगाराच्या बसेस लाखांदूर, वडसा, आरमोरी, चंद्रपूर, गडचिरोली, केसोरी, अजुर्नी, पालांदूर, भंडारा, नागपूर, अशा लांब टप्प्याच्या गाड्या नेहमी व दररोज धावतात. प्रवासादरम्यान अनेकदा बस रस्त्यात बंद पडतात व याचा त्रास मात्र प्रवाश्यांना नाहक त्रास सहन करावा लागतो, ही मात्र सत्य स्थिती आहे.

याआगाराने अनेक बसफे□्या सुरु केल्या. परंतू एसटी बसला 'अच्छे दिन' मिळत असतांना मात्र या महामंडळाकडून प्रवाशांच्या गैरसोय होत आहे.

सिपेवाडा गावात तीन वाघांचा शिरकाव

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

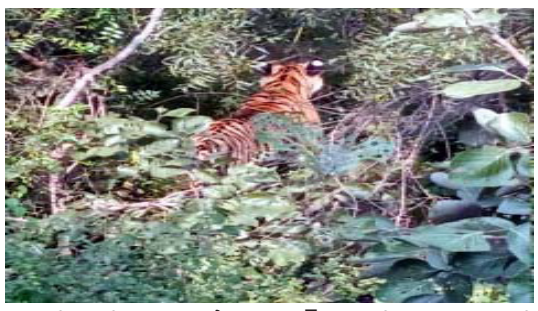

लाखनी : लाखनी वरून अवघ्या पाच किमी वर असलेल्या सिपेवाडा गावात तीन पट्टेदार वाघानी शिरकाव केलेला आहे. सकाळच्या सुमारास गावातील लोक उठले असता गावात तीन वाघ भ्रमण करतांना गावातील काही लोकांना दिसून आले. सिपेवाडा हे गाव वनपरिक्षेत्र अडयाळ अंतर्गत सहवनक्षेत्र माडगी बिट चालना २ मधील गाव सिपेवाडा येथे आज सकाळ पासून तीन वाघ गावात आल्याने गावात भीतीचे वातावरण पसरले आहे.

गावा शेजारी परिसर जगलव्याप्त असल्याने येथे हिंस्त्र प्राण्यांचा वावर दिसून येतो. आठ दिवसांपूर्वी माडगी जंगल परिसरात तीन वाघाचे लोकांना दर्शन झाले असून या वाघाणी पाळीव प्राण्याबरोबर वन्य प्राण्यांना आपले भक्ष्य बनविले असल्याने परिसरात भीतीचे वातावरण निर्माण झाले होते पण शिकारीच्या शोधात वाघ अनेकदा गावातही शिरकाव करत असतात.

य ा ा च ा प्रकारचीपुनरावृत्ती(ता.४) रोज सोमवार ला लाखनी तालुक्यात जवळ असलेल्या सिपेवाडा गावात झाली.गावात तीन पट्टेदार वाघ चक्क दिसून आले.बघता बघता सिपेवाडा येथे पट्टेदार वाघ असल्याची बातमी वा□्यासारखी परिसरात पसरली ही माहिती वनविभागाला देण्यात आली वनविभागाने रेस्क्यू टीमच्या मदतीने वनविभागाचे विशेष पथक घटनास्थळी दाखल झाले. वाघाला जंगलात भ्रमण करण्याची मोहीम सुरू झाली असून पट्टेदार वाघाला बघण्यासाठी लोकांनी एकच गर्दी केल्याने फिजिकल डिस्टनसिंगचा फज्जा उडाला आहे. त्यामुळे वाघ घाबरल्या स्थितीत असून वृत्त लिहीत पर्यत एकाही वाघाने जंगल मार्गे भ्रमण केले नाही.

दारूबंदी कायद्यान्वये २८ जणांवर कारवाई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विधानसभा सार्वत्रीक निवडणुक संदर्भात भंडारा पोलीस दलातर्फे वॉश आऊट ऑपरेशन दि. ०३ नोव्हें. ०२४ रोजी राबविण्यात आले. विधानसभा सार्वत्रीक निवडणुकी च्या पार्श्वभुमीवर मोठ्या प्रमाणात अवैध दारुचा व्यवसाय होत असल्याने त्यावर अंकुश बसावा व निवडणुकी दरम्यान कोणत्याही प्रकारचा अनुचीत प्रसंग ओढावु नये तसेच कायदा व सुव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण होवू नये याकरिता पूर्वीच उपाययोजना करणे आवश्यक आहे.

सर्वत्र शांतता राहावी व कोणतेही घातपाती कृत्य/ अप्रिय घटना घडू नये या करीता जिल्ह्यात सदरचे वॉश आऊट ऑपरेशन यशस्वीरीत्या राबविण्यात आले. भंडारा जिल्हयातील वॉश आऊट ऑपरेशन दरम्यान जिह्यातील १७ पोलीस स्टेशन चे प्रभारी व दुय्यम अधिकारी तसेच स्थानिक गुन्हे शाखेचे प्रभारी अधिकारी सदर ऑपरेशन दरम्यानपोलीस अधीक्षक यांच्या मार्गदर्शनात दारूबंदी कायद्यान्वये २८ आरोपीतांवर कार्यवाही करुन २६ गुन्हे दाखल करुन र २१,३१,३९५/- ची एकुण ११,९८६.८६ लिटर दारु जप्त करण्यात आली. नूरुल हसन पोलीस अधिक्षक भंडारा यांनी भंडारा जिल्ह्यातुन अवैध धंद्यांचा, अमली पदाथार्चा समुळ नाश करणेकरिता भंडारा जिल्हा वासीयांना आव्हान केले आहे की, त्यांनी अवैध धंदे करणारे, अमली पदार्थ सेवन करणारे, बाळगणारे, विक्री करणारे यांचे विरुध्द भंडारा जिल्हा पोलीसांना माहिती द्यावी. माहिती देणा□्यांचे नाव भंडारा जिल्हा पोलीस दलातर्फे गुप्त ठेवण्यात येईल.

भाऊबिजेला बहिणीकडे आलेल्या वहिनीचा मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भाऊ बहिणीचे अतूट नाते जोपासणारा उत्सव भाऊबिज मोठ्या उत्साहात साजरा केला जातो. मात्र दि. ४ नोव्हेंबर २०२४ रोजी सकाळी ७ वाजता दरम्यान भंडारा शहरातील गुजराती कॉलोनी विद्यानगर येथे दुदैर्वी घटना उघडकीस आली आहे. ओवाळणीकरीता बहिणीकडे भावासोबत आलेल्या वहिनीचा मृत्यू झाला. लिलावती सुभाष चंदनखेडे (३२) रा. शंकरपूर ह. मु. उमरेड असे मृतकाचे नाव आहे. उमरेड येथील सुभाष चंदनखेडे (३५) हा पत्नी लिलावती व मुलांना घेऊन भाऊबिज निमित्त गुजराती कॉलोनी विद्यानगर येथील जावई ईश्वर काशिराम मोदनकर यांचेकडे आले होते. दि. ४ नोव्हेंबर रोजी सकाळी लिलावती हिला आपल्या कर्तव्यावर जाण्यासाठी गावाकडे जाण्याच्या तयारीत ती आंघोळीकरीता बाथरूममध्ये गेली. बराचवेळ होऊनही लिलावती चंदनखेडे ही बाथरुमबाहेर न आल्याने तिला आवाज दिला. मात्र तिने कोणताही प्रतिसाद न दिल्याने पती सुभाष चंदनखेडे व त्यांच्या नातेवाईकांनी बाथरूमचा दार तोडून पाहिले असता लिलावती ही बाथरूममध्ये निपश्चित पडल्याचे दिसून आले. ती कोणत्याही प्रकारची हालचाल करीत नव्हती. तेव्हा पती सुभाष, जावई व बहिण यांनी तिला तत्काळ जिल्हा सामान्य रुग्णालयात उपचाराकरीता घेऊन गेले. रुग्णालयातील डॉक्टरांकडून तपासले असता मृत घोषित केले. मृतक बीपीचा त्रास असल्याने बीपीमुळे तिला हृदयविकाराचा तीव्र धक्का बसल्याने तिचा मृत्यू झाला असावा असा अंदाज तिच्या कुटुंबियांकडून वर्तविला जात आहे.

वाळू तस्करीला स्थानिक प्रशासन जबाबदार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

बारव्हा : लाखांदूर तालुक्यातील वैनगंगा व चुलबंद नदी पात्रातून बेसुमार अवैध उपसा करून बिनबोभाटपणे रात्री व पहाटेला वाहतूक सुरु आहे. वाहतूक करणारी वाहने सुसाट वेगाने धावत असल्याने अपघात घडत आहेत. याला सर्वस्वी स्थानिक प्रशासन जबाबदार असून पोलीस व महसूल विभागातील झारीतील सुक्राचार्य याच्यावर कार्यवाही करण्याची मागणी आता नागरिकांकडून होऊ लागली आहे.

रात्री-बेरात्री नदी पात्रातून अवैध रेतीचा उपसा करून वाहन सुसाट धावत असल्याने रस्त्याने पायी चालणे कठीण झाले आहे. रस्त्यावरील वाहन चालकांना देखील जीव मुठीत घेऊन वाहने चालवावी लागतात, असे असतांना महसूल व पोलीस विभागातील काही अधिकारी व कर्मचारी यांच्या कर्तव्यतील कसूर करण्याने अनेक अपघात घडत आहेत व खुलेआम रेतीची तस्करीही होत आहे. मात्र त्या रेती तस्करी करणा□्यावर कुठली कार्यवाही होताना दिसून येत नाही. चोरी करणे गुन्हा आहे. तर चोरी करणा□्या पाठबळ देणे, हा गुन्हा नाही का? वाळू तस्करी संबंधी नागरिकांनी तक्रार करण्याचा प्रयत्न केला तर तक्रारदारालाच दम भरण्यात येत असल्याची नागरिकांत ओरड आहे. यावरून पगार शासनाचा, काम मात्र वाळू तस्करांचा, अशीच परिस्थिती प्रशासनाची झाल्याचे दिसून येत आहे. तालुक्यातील वैनगंगा व चुलबंद नदी पात्रातील अवैध वाळू उत्खनन व वाहतूक प्रकरणी वरिष्ठ अधिकारी यांनी लक्ष देऊन चुकीचे काम करणारे स्थानिक प्रशासनातील अधिकारी व कर्मचारी यांच्यावर कार्यवाही करण्याची मागणी नागरिकांकडून होत आहे.

वाळू तस्करीसाठी ट्रॅक्टरचा वापर

ट्रॅक्टर वाहनाकडे शेतीपयोगी साधन म्हणून पाहिले जाते. मात्र सध्या ट्रॅक्टर या वाहनाचा सर्वात जास्त वापर हा रेती तस्करीसाठी सुरु आहे. याकडे प्रादेशिक परिवहन विभागाचे लक्ष कमी झाल्यामुळेच वाळू तस्करीसाठी ट्रॅक्टरहे वाहन मोठ्या प्रमाणात वापरले जात आहे. ट्रॅक्टर चालकांकडे वाहन चालविण्याचा परवाना असला तरी बरेच अवैध वाळूचे ट्रॅक्टर हे अल्पवयीन मुले चालवीत असल्याने अपघाताचे प्रमाणही वाढले आहे. त्यामुळे, संबंधित विभागाने लक्ष देण्याची गरज आहे.

ग्रामीण भागात मंडईनिमित्त आल जत्रच स्वरुप

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भाऊबिजच्या दिवसापासन मडइचा उत्सव सरु झाला असन शहरातील नागरिक गामीण भागाकड वळ लागली आहे. याप्रसंगी लाककलाच प्रदशन मडंइमध्य होत असते. रुपरी-चदरी दनियच ा या लाककलाना चागलाच फटका बसत असल्याच चित्र गामीण भागात दिस लागल आहे. दिवाळीतील बलीप्रतिपदचा दिवस सपताच भाऊबिजच्या दिवसापासू न मंडइ उत्सवाला सुरुवात हाता. गामीण भागातील शतक-्यानी शेती हंगामाला अनसरून या उत्सवाची निमित्री कल्याच सांगितल जात. आक्टाबर-नोंव्हबर महिन्यात खरिपाच पीक हातात यत व याचा आनदात्सव साजरा करण्याचा मंडइ हा माध्यम आहे. वषभर शतात राबणारा शेतकरी मंडइत अनक प्रकारची खरदी करता, याशिवाय मडइत मनारजनासाठी नाटक, तमाशा, खडीगमत, दडार यासारख्या लाककलाच आयाजन कल जाते. झाडीपट्टीची दडार ही लोककला राष्ट्रीय पातळीपयत पाहचली आह. दडार ही अनक लाककलाची जननी मानली जाते.

गामीण भागात जव्हा अन्य कठलीही मनारजनाची साधन नव्हती, तव्हा दडारीची उत्पत्ती झाल्याच बालल जाते. रडीआ, टिव्ही, सिनमाघर ही मनारजनाची साधन आल्यापासन आता मात्र या लाककलाना अखरची घरघर लागली आहे. मडइनिमित्त जवळपासच्या नातवाइकाकड जाऊन पाहणचार घण्याचा परपरा आजही काही प्रमाणात सरु असली तरी वाहतुकीची साधन, रस्त यामळ नातवाइकाकड रात्री मक्काम करण्याच प्रमाण कमी झाले आहे. क ाम ाच्या व्यवस्ततमळ सद्धा मडइत सहभागी हाणा□्याच प्रमाण कमी झाल आहे. रात्री मक्कामी असणार पाहण मडळी गावात आयाजित या लाककलाचा आस्वाद घत असते.

अनेक ठिकाणी उपवर मला-मलींच विवाह ठरवण्यासाठी मंडइ ह उत्कष्ट माध्यम ठरत हाते. कालानरुप आता या गाष्टीकालबाहय हात आहत. गामीण भागातील मडइ व त्यात प्रदशित हाणा□्या लोककला याच आकषण कमी होत असल्यान प्रतिसाद कमी मिळत असला तरी मडइची आयाजन मात्र सरुच आहत. विशष म्हणज प्रत्यक गावातील मडइची तिथी ठरलली असत. भाऊबिजचा दिवस व त्यानतरच्यठ रलल्या दिवशीच मड इ च आयाजन कल जात. गामीण लाककलाची आवड दिवसदिवस कमी असली तरी या क्षत्रात काम करणा□्या कलाकाराची ह्लकलाजापासण्यासाठी धडपड सरुच आहे.

आठवड्याच्या दुसऱ्या दिवशीही जिल्हा परिषदेतील कामकाज विस्कळीत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : यंदा दिवाळी उत्सवाच्या काळात विधानसभेची निवडणूक आली. त्यामुळे अनेकांच्या कामकाजाची धावपळ वाढली. त्यातच दिवाळीनिमित्ताने अनेक शासकीय अधिकारी व कर्मचारी आपापल्या गावाची वाट धरत निघून गेले. आता दिवाळीचा सण आटोपल्यानंतर ४ नोव्हेंबरपासून नियमित कामकाजाला सुरुवात होईल, अशी जनसामान्यांची अपेक्षा होती. परंतु, आठवड्याच्या दुसऱ्या दिवशीही जिल्हा परिषदेतील सर्वच विभागांतील बहुतांश खुर्चा रिकाम्या पाहावयास मिळाल्या. काहीजण सुट्ट्यांवर तर काही निवडणुकीच्या कामावर असल्याचे सांगण्यात आले.

जिल्हा परिषदेत दिवाळी फीवर अद्यापही कायम आहे. दिवाळीला गुरुवारपासून सुरुवात झाली. शुक्रवारी लक्ष्मीपूजन, शनिवारी गायगोधन आणि रविवारी भाऊबीज होती. त्यामुळे रविवारपर्यंत सुट्ट्या झाल्यानंतर ४ नोव्हेंबरला नेहमीप्रमाणे कार्यालये सुरू झाली. सलग सुट्ट्या आल्याने बहुतांश अधिकारी व कर्मचाऱ्यांनी सुट्ट्यांचा आठवडाभराचा बेत आखला. ते गुरुवारपासून सुट्टीवर गेले असून, अद्यापही कार्यालयात परतले नाहीत. त्यामुळे मंगळवारी जिल्हा परिषदेच्या विविध

विभागांत शुकशुकाट दिसून आला. हीच परिस्थिती अन्य शासकीय कार्यालयांतही होती.

निवडणुकीच्या कामानिमित्त अधिकारी व कर्मचारी दौऱ्यावर असल्याचेही सांगण्यात आले. तर काही जणांची निवडणूक कामात ड्युटी लवकरच लागणार असल्याचे कळविण्यात आले.

कामकाज नावापुरतेच, गप्पाच अधिक

दिवाळीसाठी गेलेले अधिकारी व कर्मचारी सुट्ट्या संपवून परतले नाहीत. त्यातच निवडणुकांमुळे अधिकारी दौऱ्यावर असल्याचे सांगण्यात आले. परिणामी सर्वसामान्यांचे कामकाज विस्कळीत झाले. जे कर्मचारी कर्तव्यावर हजर झाले, त्यातील मोजक्याच कर्मचाऱ्यांनी दैनंदिन कामकाजाला सुरुवात केली. काहीजण गप्पागोष्टीत गुंग होते. काही मोबाईलवर व्यस्त होते, तर काही परिसरात बाहेरील टपरीवर वेळ घालवत असल्याचे दिसले.

कामानिमित्ताने आलेले गेले परत

शनिवार व रविवार असल्याने काही अधिकारी व कर्मचारी त्या अगोदरच म्हणजे गुरुवारपासूनच सुट्टीवर गेले. त्यामुळे सोमवारी या आठवड्याच्या पहिल्या दिवसापासून तरी कामकाज सुरळीत सुरू होईल, अशी अपेक्षा फोल ठरली. मंगळवारी विविध कामानिमित्त जिल्हा परिषदेतील विविध कार्यालयांत नागरिक आलेले दिसून आले. पण, कामे न झाल्याने सायंकाळी निराश होऊन परत गेले.

मुख्य कार्यपालन अधिकाऱ्यांनी घालावे लक्ष

जिल्हा परिषदेचे कामकाज सुरळीत ठेवण्याची जबाबदारी मुख्य कार्यपालन अधिकाऱ्यांची आहे. मंगळवारला कामकाज सुरु असताना अनेकांच्या खुर्चा रिकाम्या दिसल्या. त्यामुळे अधिकारी व कर्मचारी खरंच निवडणुकीच्या कामावर आहेत, की सुट्ट्यांवर यासंबंधीची पाहणी करणे गरजेचे आहे.

सायबर गुन्हेगार शिकारीच्या शोधात

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विविध कंपन्यांचे जाळे पसरले आहे. सायबर गुन्हेगार व्यक्तीकडून मोबाईलवर पाठविले जाणारे अनेक फंडे वापरून सायबर गुन्हेगार शिकारीच्या शोधात असतात. ग्राहकांची दिशाभूल करून त्यांच्या घामाचे व कष्टाचे पैसे लुबाडण्याचा काहींचा धंदा सुरु आहे. ग्राहकाची दिशाभूल होत आहे. अनेक अफवांना व खोट्या प्रचाराला ग्राहकांनी बळी पडू नये. ऑनलाईन फसवणुकीचेही प्रकार वाढले असून त्यापासून सावधान होण्याची गरज आहे.

कोरानापासून जास्तीत जास्त आर्थिक व्यवहार ऑनलाईन झाले आहेत. मात्र याच संधीचा फायदा घेत सायबर क्राईम ऑनलाईन फ्रॉडचे प्रमाण देखील वाढले आहेत. कमी दिवसात कमी पैशात जास्त रिटर्न देण्याचे आमिष दाखवून वेगवेगळ्या फंड्यातून नागरिकांची फसवणूक केल्या जात आहेत व नागरिकही केवळ स्वतःच्या फायद्यासाठी चुकीची क्लिक करून या ऑनलाईन फसवणुकीला बळी पडत आहे.

मात्र अशा फसवणुकीला कोणीही बळी पडू नये, असे आवाहन वारंवार सायबर पोलिसांकडून केले जात आहे.

कुंपणात वीज प्रवाह सोडताय; पथक करणार कारवाई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : वन्यप्राण्यांपासून होणारी पिकांची नासाडी रोखण्यासाठी काही शेतकरी कुंपणात वीज प्रवाह सोडत असतात. ही बाब महावितरणच्या निदर्शनास आली आहे. त्यामुळे वन्यप्राण्यांबरोबरच शेतात कामासाठी गेलेल्या आणि अनवधानाने कुंपणास स्पर्श करणाऱ्या शेतकऱ्यांचा विजेचा शॉक लागून मृत्यू होत असल्याची बाब समोर आली आहे.

याशिवाय वीजही आकडे टाकून चोरून वापरत असल्याचे दिसून आले आहे. याची महावितरणने गंभीर दखल घेतली आहे. यापुढे कुंपणात अनधिकृत वीज प्रवाह सोडलेला आढळल्यास विद्युत कायद्याच्या विविध कलमांअंतर्गत गुन्हा दाखल करण्यात येणार आहे.

मागील काही महिन्यांपासून विजेचा शॉक लागून शेतकऱ्यांचा मृत्यू झाल्याच्या घटना वारंवार घडत आहेत. याची अधिक खोलात जाऊन चौकशी केली असता महावितरणच्या असे लक्षात आले की, शेतकरी पिकाच्या संरक्षणासाठी वीज वाहिन्यांवर आकोडे टाकून वीज प्रवाह थेट कुंपणात सोडतात. त्यामुळे अनावधानाने संपर्कात आलेल्या प्राण्यांसोबत शेतकऱ्यांचेही मृत्यू झाल्याच्या काही घटना उघडकीस आल्या आहेत. एकंदरीत हा प्रकार वाटतो तितका साधा नसून वीज चोरीबरोबर सदोष मनुष्यवध यासारख्या गंभीर गुन्ह्याशी संबंधित असल्याचे म्हटले आहे.

तसेच जीवितहानी झाल्यानंतर त्याचा दोष

विनाकारण महावितरणवर करण्याचा आणि महावितरणकडून भरपाई मागण्याचा कल देखील दिसून येत आहे.

जिल्ह्यात मोठ्या प्रमाणात आकडे टाकून शेतशिवारात विजेचे सापळे रचले जात आहेत. शेतमालाचे वन्यप्राण्यांपासून रक्षण व्हावे हा यामागील हेतु असला तरी नागरिकांच्या दुर्लक्षपणामुळे मोठ्या प्रमाणात अपघाताच्या आणि प्राणहानीच्या घटना घडत आहेत.

पथक ठेवणार करडी नजर

वीज वाहिन्यांवर अनधिकृतपणे आकोडे टाकून कुंपणात थेट वीज प्रवाह सोडण्याच्या या गंभीर प्रकाराला आळा घालण्यासाठी महावितरणने कायदेशीर कारवाई करण्याचे ठरविले आहे. यासाठी, तांत्रिक कर्मचारी, तसेच भरारी पथकाच्या माध्यमातून शेतशिवा- रावर करडी नजर ठेवण्यात येणार आहे.

सदर प्रकार आढळला तर संबंधित शेतकऱ्यावर विद्युत कायदा २००३ च्या विविध कलमाअंतर्गत गुन्हा दाखल करण्यात येणार आहे, तसेच संभाव्य जीवितहानीची शक्यता लक्षात घेऊन संबंधितावर फौजदारी गुन्हा दाखल करण्याची विनंती पोलिस विभागाला करण्यात येणार असल्याचे महावि- तरणने कळविले आहे. यावर संपूर्ण जिल्ह्यात भरारी पथक निगरानी ठेवणार आहे.

शेतक-यांनो खबरदारी घ्या...

कुंपणामध्ये वीज प्रवाह सोडणाऱ्या शेतकऱ्याला यापुढे गंभीर कायदेशीर कारवाईला सामोरे जावे लागणार आहे. संभाव्य जीवितहानीची शक्यता असते. याबाबत फौजदारी गुन्हाही नोंदविला जाऊ शकतो, याची दखल घेत शेतकऱ्यांनी स्वतः या प्रकारामध्ये सहभागी होऊ नये. तसेच कोणी सहभागी होत असल्यास त्याला तसे करण्यापासून परावृत्त करावे, असे आवाहन महावितरणतर्फे करण्यात आले आहे.

कामगारांना किचन सेटचे वितरण अडकले; नोंदणी व नतनीकरणही थांबले

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महाराष्ट्र इमारत व इतर बांधकाम कामगार कल्याणकारी मंडळांतर्गत कामगार म्हणून नोंदणी करणाऱ्या कामगारांना विविध योजनांचा लाभ दिला जातो. जिल्ह्यात आचारसंहिता लागण्यापूर्वी नोंदणी व नूतनीकरणचे काम सुरू होते. तसेच कामगार किटचे वितरणही सुरू होते. परंतु आचारसंहिता सुरू झाल्यानंतर नोंदणीची प्रक्रिया थांबविण्यात आली. त्यामुळे कामगारांना नवीन सरकार सत्तारूढ होईपर्यंत प्रतीक्षा करावी लागणार आहे.

महाराष्ट्र इमारत व इतर बांधकाम कामगार कल्याणकारी मंडळांतर्गत वर्षभर नोंदणी व नूतनीकरणाची मोहीम सुरू असते. सध्या विधानसभा निवडणुकीची आचारसंहिता सुरू असल्याने नवीन नोंदणी व नूतनीकरण तसेच लाभ वितरणाचीही प्रक्रिया थांबवलेली आहे. इमारत व इतर बांधकाम क्षेत्राशी संबंधित कामगारांनी नोंदणी केल्यास त्यांना संरक्षक किटसह विविध साहित्याचा लाभ दिला जातो. हा लाभ मिळावा यासाठी कामगार नोंदणी करतात. परंतु, सध्या विधानसभेची निवडणूक सुरू आहे.

महिनाभर करावी लागणार प्रतीक्षा

जिल्ह्यात आचारसंहिता लागू होईपर्यंत सक्रिय कामगारांना किचन संच वितरणाचे काम हाती घेण्यात आले होते. काही कामगारांना किट संचचे वितरण करण्यात आले. बहुतांश मजूर अद्यापही किचन संच लाभाच्या प्रतीक्षेत आहेत. हे किचन संच केव्हा मिळणार, याची प्रतीक्षा कामगारांना आहे. किचन संचामध्ये विविध प्रकारच्या

साहित्यांचा समावेश आहे. आता निवडणूक संपेपर्यंत म्हणजे साधारणतः महिनाभर प्रतीक्षा करावी लागणार आहे.

३० हजारांवर सक्रिय कामगार

जिल्ह्यात ३० हजारांवर सक्रिय कामगार आहेत. हे कामगार दरवर्षी नूतनीकरण करतात. कामगार कल्याणकारी मंडळांतर्गत राबविल्या जाणाऱ्या विविध योजनांचा लाभसुद्धा दिला जातो.

कामगारांना असे मिळतात लाभ

सामाजिक सुरक्षा पहिल्या विवाहाच्या प्रतिपूर्तीसाठी ३० हजार रुपये, मध्यान्ह भोजन योजना, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री जीवनज्योती विमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा विमा योजना, पूर्व शिक्षण ओळख प्रशिक्षण आदी आदी सामाजिक सुरक्षेच्या योजना राबविल्या जातात. सदर योजनांचा लाभ पात्र कामगारांना दिला जातो.

शैक्षणिक सुविधा

इयत्ता पहिली ते सातव्या विद्यार्थ्यांसाठी प्रतिवर्ष दोन हजार ५००, तर इयत्ता आठवी ते दहावीच्या विद्यार्थ्यांसाठी प्रतिवर्ष ५ हजार रुपये. इयत्ता दहावी व बारावीमध्ये किमान ५० टक्के किंवा अधिक गुण प्राप्त झाल्यास १० हजार रुपये. वैद्यकीय पदवी- करिता प्रतिवर्षी १ लाख रुपये. अभियांत्रिकी पदवीकरिता प्रतिवर्षी ६० हजार रुपये.

आरोग्यविषयक

नैसर्गिक प्रसुतीसाठी १५ हजार रुपये, शस्त्रक्रियेद्वारे प्रसुतीसाठी २० हजार रुपये, गंभीर आजाराच्या उपचारार्थ १ लाख रुपये, एका मुलीच्या जन्मानंतर कुटुंबनियो जनाची शस्त्रक्रिया केल्यास त्या मुलीच्या नावे १८ वर्षापर्यंत १ लाख रुपये मुदत ठेव. ७५ टक्के किंवा कायमचे अपंगत्व आल्यास दोन लाख रुपये. तसेच आरोग्य योजनेचा लाभ मिळतो.

कोण जिंकले, कोण हरले? आमचे दिवस सारखेच

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिल्ली : जिल्ह्यात येत्या दि. २० नोव्हेंबर रोजी विधानसभा निवडणुकीसाठी एकाच टप्प्यात मतदान असल्याने प्रत्येक मतदाराला निवडणुकीमध्ये मतदानाचा हक्क बजावताना अडथळा येऊ नये. यासाठी मतदानाच्या दिवशी सार्वजनिक सुट्टी देण्यात आली. सरकारी कर्मचाऱ्यांना या दिवसाचा पूर्ण पगार मिळणार आहे. मात्र शेतकरी, शेतमजूर, कष्टकरी अकुशल कामगार यांनी मतदानासाठी सुट्टी घेतल्यास पूर्ण दिवसाची मजुरी मिळणार नाही. निवडणुकीत कोण जिंकले, कोण हारले? आमचे सर्व दिवस सारखेच असल्याची शेतकरी तसेच इतर मजूरवर्गाची प्रतिक्रिया आहे.

देशाच्या लोकशाहीत मतदानाला फार महत्त्व आहे. १८ वर्षांवरील सर्व मतदारांनी मतदान करणे आवश्यक असून, मतदानाचा दिवशी सरकारी कर्मचारी यांना भरपगारी सुट्टी देण्यात आली. तसेच उद्योग विभागांतर्गत येणाऱ्या प्रत्येक उपक्रम व आस्थापनेला पूर्ण दिवस सुटी देणे शक्य नसल्यास मतदानासाठी संबंधित जिल्हाधिकारी / जिल्हा निवडणूक अधिकारी यांची पूर्वपरवानगी दोन तासांची सवलत मिळणार असून, कर्मचाऱ्यांना मतदानासाठी मीडवीक ऑफ मिळणार आहे. कर्मचाऱ्यांचा पगार न कापता मतदानाचा हक्क बजावता येणार आहे.

मात्र देशाच्या पोशिंदा असलेले शेतकरी, शेतमजूर, रोजंदारीवर काम करणारे मजूर, अकुशल कामगार, कारागीर, कंत्राटी मानधनावर काम करणारे असंघटित रोजंदार, हातावर पोट असलेले कष्टकरी यांना सरकारी कर्मचाऱ्यांप्रमाणे कामावर न जाता मतदानासाठी एक दिवसाची पूर्ण रोजंदारीची मजुरी मिळेल काय? एक दिवस कामावर न गेल्यास संध्याकाळची चूल पेटणार की अशी गरीब जनतेची अवस्था आहे. त्यामुळे निवडणुकीच्या सार्वजनिक सुट्टीचा आम्हाला काय फायदा? असा कष्टकरी जनतेचा सवाल आहे. दरम्यान निवडणुकीनंतर कष्टकरी व गरजुंना त्यांच्या समस्यांवर विचार करणारे सरकार हवे आहे. वारंवार निवडणुकीत आम्ही मतदान करतो परंतु गंभीरपणे विचार केला जात नाही.

निवडणूक झाल्यावर लोकप्रतिनिधी आणि कर्मचारी यांचा विचार होतो. मात्र सरकार निवडून देणाऱ्या सामान्य जनतेच्या आयुष्य म्हणजे मातीत जगणे अन- मातीतच मरण्यासारखे आहे.

- सोमेश्वर राघोर्ते

देशी कट्ट्यासह एक जिवंत राऊंड काडतूस जप्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : निवडणुकीच्या अनुषंगाने स्थानिक गुन्हे शाखेचे पथकाने अवैध व्यवसायाविरुद्ध विशेष मोहीम सुरु केली आहे. दरम्यान महाकाली कॉलरी येथील शुभम उर्फ खंजरभाई वासेकर (२२) याच्याजवळ बंदूक असल्याची माहिती मिळाली. याला ताब्यात घेऊन चौकशी केली असता त्याच्याकडे एक गावठी देशी कट्टा व जिवंत राऊड आढळून आले. पोलिसांनी देशी कट्टा व जिवंत राऊड जप्त करुन शुभमला बेड्या ठोकल्या आहे. या माहितीच्या आधारावर आरोपीसह स्थानिक गुन्हे शाखेचे पोलिस स्थानिक गुन्हे शाखेच्या पथकाने शुभमला वेकोली एरिया रेती बंकर, बाबानगर बायपास रोड येथे ताब्यात घेऊन त्याची चौकशी केली. एक गावठी देशी कट्टा, एक जिवंत राउंड असा १२ हजार रुपयांचा मुद्देमाल जप्त केला.

ये दिवाली माय भारत वाली कार्यक्रम उत्साहात साजरा

जे.एम.पटेल महाविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजनेचा उपक्रम

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : स्थानिक जे. एम. पटेल कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालयाने युवा व्यवहार व क्रीडा मंत्रालय नवी दिल्ली यांचे निर्देशांनुसार वाहतूक नियंत्रण शाखा भंडारा, जिल्हा सामान्य रुग्णालय भंडारा आणि राष्ट्रीय सेवा योजना यांच्या संयुक्त विद्यमाने ये दिवाली-माय भारत वाली कार्यक्रमाचे आयोजन केले.

या कार्यक्रमासाठी महाराष्ट्रातील दहा महाविद्यालयांची निवड करण्यात आली. जे. एम.पटेल महाविद्यालयाचे प्राचार्य डॉ.विकास ढोमणे यांचे मार्गदर्शनात व सक्षम नेतृत्वात 'माय भारत' अंतर्गत कार्यक्रम यशस्वीरीत्या घेण्यात आले. सहाय्यक पोलीस निरीक्षक श्री निलेश गिरी यांच्या मार्गदर्शनात वाहतूक नियंत्रण शाखा भंडारा व राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विद्यार्थ्यांनी भंडारा शहरातील विविध चौकांमध्ये वाहतूक नियंत्रण करण्याचे कार्य केले. वाहतूकीचे नियम न पाळणाऱ्या प्रवाशांना गुलाबाचे फुल व चॉकलेट देऊन त्यांना वाहतूक नियमांचे पालन करण्याबाबत समजावण्यात आले.

स्वच्छतेचे महत्व समजावून देण्याच्या उद्देशाने भंडारा शहरातील बडा बाजार परिसर राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विद्यार्थ्यांनी स्वच्छ केला. जिल्हा सामान्य रुग्णालय भंडारा येथे श्री मनोज येरणे व श्री सुरेश ठाकरे यांनी एचआयव्ही/एड्स बद्दल व त्याच्या उपचाराविषयी माहिती दिली. राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विद्यार्थ्यांनी एचआयव्ही/एड्स बाधित रुग्णांशी संवाद साधून त्यांना सेवा दिली.

कार्यक्रमाच्या यशस्वी आयोजनासाठी राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रा. भोजराज श्रीरामे, प्रा. सुनील शेंडे डॉ. प्रतिमा पालीवाल, डॉ. नयना सोनवाने, श्री मनीष शेंडे, श्री अमोल सातपुते, श्री पियुष संगतसाहेब व राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विद्यार्थ्यांनी मोलाचे सहकार्य केले.

सोळा महिन्यांत तीन परवाने रद्द, ६८ औषधी दुकाने निलंबित

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : एप्रिल २०२३ ते ३१ ऑक्टोबर २०२४ या कालावधीत अन्न व औषधी प्रशासन विभाग, भंडाराच्या वतीने जिल्ह्यातील अनेक औषधी दुकानांची तपासणी करण्यात आली. यात मोठ्या प्रमाणात गैरप्रकार आढळून आल्याने तीन औषधी दुकानांचे परवाने रद्द करण्यात आले. तसेच स्टॉक व विक्रीत तफावत तसेच अन्य कारणांसाठी ६८ दुकानांचे परवाने निलंबित करण्यात आले. ही कारवाई औषधी निरीक्षकांच्या तपासणीअंती सहायक आयुक्त (औषधी) मेनिका धवड यांनी केली.

औषधी व सौंदर्य प्रसाधन कायदा १९४० व नियम १९४५ अंतर्गत औषध विक्री व साठवणूक यासंबंधीच्या मार्गदर्शक सूचना मेडिकल स्टोअर्स चालकांना देण्यात आल्या आहेत. परंतु, अनेकदा औषध विक्रेते नियम

व कायद्याचे पालन न करता मनमर्जीने औषधांची विक्री करीत असतात. तसेच ग्राहकांना बिल न देणे, स्टॉक बूकवर नोंदी न घेणे, प्रतिजैविक औषधांचे बिल न देणे तसेच अन्य गैरप्रकार करताना दिसून येतात.

यामुळे ग्राहकांचे तसेच शासनाचे नुकसान होत असते. शिवाय डॉक्टरांच्या प्रिस्क्रिप्शन शिवाय औषधे विकल्यास त्याचे गंभीर परिणाम रुग्णांना भोगावे लागण्याची शक्यता असते. यावर आळा घालण्यासाठी अन्न व औषधी प्रशासन विभागांच्या निरीक्षकांतर्फे औषध दुकानांचे तपासणी करण्यात येत असते.

या दुकानांचे परवाने झाले रद्द

औषधे डॉक्टरांच्या प्रिस्क्रिप्शनविना विकणे व अन्य कारणांसाठी मे. कोरे मेडिकल अँड जनरल स्टोअर्स पळसगाव सोनका, मे. अक्षय मेडिकल स्टोअर्स मोहाडी, मे. कुसुम मेडिकल स्टोअर्स कांद्री आदी तीन दुकानांचे परवाने रद्द करण्यात आले.

४६ दुकानदारांनी स्वतःहून केले परवाने रद्द

जिल्ह्यात औषधी दुकानांत मोठ्या प्रमाणात स्पर्धा वाढीस लागली आहे. त्यातच शहरातील बहुतेक डॉक्टरांनी स्वतःचेच मेडिकल स्टोअर्स उघडले आहेत. त्यामुळे अन्य मेडिकल स्टोअर्स चालनासे झाले आहेत. किराणा व स्वतःची मजुरीही दुकानातून निघत नसल्याने जिल्ह्यातील ४६ औषध विक्रेत्यांनी स्वतःहून दुकानांचे परवाने रद्द करण्याचे पत्र दिले. त्यामुळे त्यांचे परवाने रद्द करण्यात आले.

विक्रेत्यांनी या बाबींची घ्यावी काळजी

नोंदणीकृत फार्मासिस्ट दुकानात बसावे व स्वतःच्या देखरेखीत औषधांची विक्री करावी. सेक्स तसेच झोपेच्या गोळ्या व अन्य गंभीर आजारावरील औषधी डॉक्टरांच्या प्रिस्क्रिप्शनशिवाय विक्री करू नये. औषधांची विक्री व स्टॉकची माहिती अद्ययावत ठेवावी. व्हेटर्नरी औषधांची साठवणूक लेबलसह करावी.

औषध विक्रेत्यांनी नियम व कायद्याचे पालन करीत औषधांची विक्री करण्याचे गरजेचे आहे. परंतु, मेडिकल स्टोअर्स चालकांनी हयगय केल्याने तसेच औषधी निरीक्षकांच्या तपासणीत दोषी आढळून आल्याने तिघांचे परवाने रद्द तर ६८ जणांचे परवाने निलंबित करण्यात आले.

- मेनिका धवड, सहायक आयुक्त (औषधी), भंडारा.

भंडारा जिले में 8 हजार 416 वरिष्ठ नागरिक करेंगे मतदान

विकलांग मतदाताओं की संख्या साढे सात हजार..

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले में तुमसर, भंडारा एवं साकोली ऐसे तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनावी प्रक्रिया 20 नवंबर को पूरी होगी। जिसके लिए मतदाताओं की अब तक की सूची के अनुसार जिले में कुल 10 लाख 7 हजार 555 मतदाता चुनावी प्रक्रिया में शामिल होंगे। जिनमें से 85 वर्ष की आयु के पार कुल आठ हजार 416 ज्येष्ठ नागरिकों का समावेश हैं। जिनके लिए घर में मतदान करने की सुविधा चुनाव आयोग की सूचनाओं के अनुसार पूरी होगी।

भंडारा विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल तीन लाख 73 हजार 828 मतदाता मतदान प्रक्रिया में शामिल होंगे। साकोली विधानसभा क्षेत्र के तहत मतदाताओं की संख्या तीन लाख 26 हजार 999 तक पहुंची है। तुमसर विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन लाख 6 हजार 728 मतदाताओं मतदान करेंगे।जिसमें से तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 8 हजार 416 ज्येष्ठ नागरिक मतदान करेंगे। जेष्ठ नागरिक एवं विकलांग मतदाताओं को घर मे मतदान करने की सुविधा का लाभ लेना है तो उन्हे फार्म नंबर 12 डी भरकर आवेदन करना होगा। अब तक 1 हजार 409 आवेदन गृह मतदान के लिए प्राप्त हुए है। जिसमें से 1 हजार 375 आवेदन मंजूर किए गए हैं।

जिले में 7 हजार 513 विकलांग मतदाता :

भंडारा विधानसभा क्षेत्र के में चुनावी सूची के अनुसार 1 हजार 876 विकलांग मतदाता है। साकोली विधानसभा के लिए 3 हजार 175 विकलांग मतदाता मतदान करेंगे। तुमसर विधानसभा क्षेत्र के लिए 2 हजार 462 विकलांग मतदाता मतदान की प्रक्रिया में शामिल होंगे।

डेढ़ हजार से ज्यादा कर्मचारी हैं वोटर्स : शासकिय एवं निम शासकिय सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या जिले में कुल 1 हजार 762 इतनी है। जिसके लिए मतदान की प्रक्रिया के लिए पोस्टल वोटिंग द्वारा चुनावी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बाघिन सुहानी और शावकों का भ्रमण जारी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : लाखनी तहसील के सीपेवाड़ा रोड पर भंडारा प्रादेशिक वन विभाग क्षेत्र की बाघिन 'सुहानी' अपने दो शावकों के साथ दिखाई दे रही है, जिससे इलाके में हलचल मच गई है. बाघिन को करीब से देखने की इच्छा में बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो रहे हैं. वन विभाग के सहायक वन संरक्षक संजय मेंढ़े अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके. लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस जवान भी तैनात किए गए हैं.

बाघिन को देखने के लिए जमा रही लोगों की भीड़ हालांकि, सुबह हो या शाम, बाघिन और उसके शावकों को देखने के लिए लोगों का झुंड इकठ्ठा हो रहा है, जिससे शावक विचलित हो सकते हैं. वन विभाग ने बार-बार चेतावनी दी है कि इस तरह का व्यवहार न केवल बाघिन और शावकों के लिए तनावपूर्ण हो सकता है, बल्कि लोगों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है. वन विभाग लोगों से अपील कर रहा है कि वे इस क्षेत्र से दूर रहें और किसी भी संभावित घटना को रोकने में सहयोग करें.

अवैध शराब अड्डे पर पुलिस की छापेमारी

21 लाख का माल जब्त 26 लोगों पर मामला दर्ज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विधानसभा चुनाव के अनुरूप जिले में कानून, शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए भंडारा पुलिस बल द्वारा ऑपरेशन वॉश आउट चलाया जा रहा है. इसी के तहत रविवार को विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई और अवैध शराब बिक्री के अड्डे और शराब बनाने की भट्टियां छापेमारी कर लाखों रुपयों का माल जब्त किया गया. चुनाव के मद्देनजर बड़ी मात्रा में अवैध शराब का कारोबार होता है.

इस पर अंकुश लगाया जाए और चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना न घटे. साथ ही यह भी सुनिश्चित करने के उपाय किये जा रहे हैं कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो. जिला पुलिस अधीक्षक नुरुल हसन के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाया गया.

इस अभियान में जिले के 17 पुलिस स्टेशनों के प्रभारी और अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय अपराध शाखा के अधिकारियों ने कार्रवाई की. शराब बंदी कानून के अनुसार के तहत 26 आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर 21,31,395 रुपये मूल्य की 11,986.86 लीटर शराब जब्त की गई.

सानगडी नाले में पाई गई 200 मृत मुर्गियां

ग्राम पंचायत ने कराई सफाई, टला खतरा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : साकोली-सिरोंचा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सानगडी में एक अज्ञात वाहन चालक ने लगभग 150 से 200 मृत मुर्गियों को नाले में फेंक दिया. जिससे दिवाली के दौरान मानव और जानवरों के लिए रोग फैलने का खतरा बढ़ गया. लेकिन स्थानीय ग्रामपंचायत ने समय पर कार्रवाई की, जिससे बड़ा अनर्थ टल गया. साकोली तहसील के सानगडी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाला है. कृषि और पशुधन के लिए प्रचुर मात्रा में पानी एकत्रित हो सके, इसलिए सिमेंट का बंधारा बनाया गया हैं.

1 नवंबर की रात को मुर्गियों से भरे वाहन का चालक पुल पर रुककर ये मृत मुर्गियां नाले में फेंक कर चला गया. जब कुछ लोगों ने इस बारे में चिकित्सा अधिकारी डॉ. नितीन तिरपुडे को जानकारी दी, तो वह अपने दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. वहां उन्होंने सरपंच सविता उप्रीकर और पुलिस को सूचित किया. सभी संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और देखा कि मृत मुर्गियां नाले में चारों ओर बिखरी हुई हैं, जिन्हें मछलियां खा रही थीं और वहां दुर्गंध फैल रही थी.

इस स्थिति से गंदगी और रोग फैलने से बचाने के लिए सरपंच ने तुरंत अपने कर्मचारियों को मुर्गियों को एकत्रित करने के लिए काम पर लगाया. जेसीबी की मदद से उन्हें गड्ढे में दफन किया गया, जिससे एक बड़ी समस्या टल गई.

दोपहिया से गिरकर पति-पत्नी घायल

राष्ट्रीय राजमार्ग की घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तेज रफ्तार दोपहिया वाहन पर नियंत्रण खो देने से पति और पत्नी सड़क पर गिरकर घायल होने की घटना रविवार 3 नवंबर शाम को राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीलेवाड़ा में पेट्रोल पंप के पास घटी. घायलों के नाम शहापूर निवासी नितीन तितिरमारे (48), सरिता तितीरमारे (42) हैं.

दंपत्ति अपनी स्कूटी से लाखनी से शाहपुर जा रहे थे. भीलेवाड़ा में पेट्रोल पंप के पास दोपहिया वाहन से नियंत्रण खोने के कारण वे दोनों सड़क पर गिर गए. दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये. कारधा थाने के कांस्टेबल सचिन बावनकुले ने नरेंद्राचार्य संस्थान की एंबुलेंस को मौके पर बुलाया.

एम्बुलेंस चालक प्रमोद मोहतुरे ने पुलिस कांस्टेबल दुर्योधन बाभरे की मदद से घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया.

मधुमक्खियों के हमले में सात मजदूर घायल

फसल काटते समय मलिदा खेत परिसर में हुई घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाड़ी : धान की फसल की कटाई के लिए गए मजदूरों पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इसमें 7 मजदूर घायल हो गए। घटना मोहाड़ी तहसील के मलिदा गांव के खेत परिसर में शुक्रवार 1 नवंबर को हुई।

घायलों का नाम कल्पना सपाटे, रीना नगरे, शोभा धुमनखेडे, सविता धुमनखेडे, नेहा धुमनखेडे, मंगला धुमनखेडे, नेहा धुमनखेडे, दुर्योधन विठ्ठले है।

मलिदा गांव के सरपंच कैलाश मते के खेत में गांव के 8 से 10 मजदूर धान की फसल की कटाई करने के लिए गए थे। कटाई करते समय अचानक मधुमक्खियों ने मजदूरों पर हमला किया।

इसमें मजदूर घायल हो गए।

घायलों को इलाज के लिए आंधलगांव के निजी अस्पताल में ले गए। इलाज के पश्चात 6 मजदूरों को घर भेजा गया। किंतु कल्पना सपाटे के कान में मधुमक्खी घुसने से उसको भंडारा रेफर किया गया।

तेंदुए के हमले में 8 बकरियों की मौत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

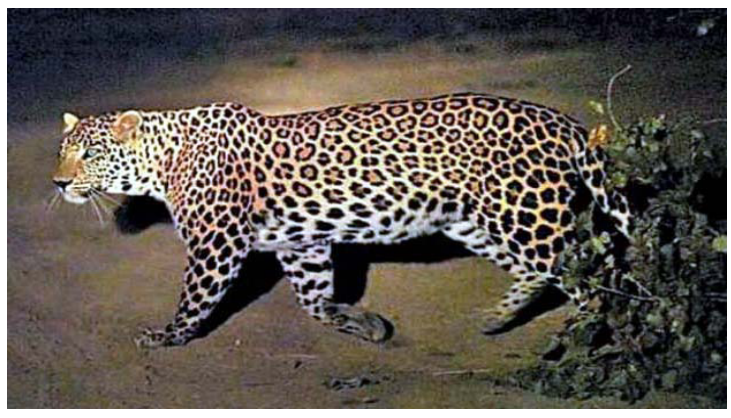

लाखनी : आध्याल वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सहवनक्षेत्र किटाडी के गोंडेगांव में तेंदुए द्वारा तवेली में बंधी बकरियों पर हमला किया गया, जिससे आठ बकरियों की मौत हो गई. यह घटना शुक्रवार नवंबर की सुबह सामने आई. पशुपालक गोंडेगांव निवासी देवा दशरथ वाढई को करीब 1 लाख रुपये का नुकसान हुआ है. वन विभाग को घटना की सूचना दी गई है. लेकिन पशुपालकों में भय का माहौल बन गया है.

देवाजी वाढई, जो एक छोटे किसान हैं, अपने परिवार का गुजारा करने के लिए बकरी पालन का व्यवसाय करते हैं. गुरुवार रात उन्होंने बकरियों को चारा-पानी देकर तबेले में बांधा और परिवार सहित सो गए. इस दौरान रात के समय तेंदुआ तबेले में घुसकर बकरियों पर हमला कर दिया. इस हमले के दौरान बकरियों की चिल्लाने की आवाज से पशुपालकों की नींद खुली, जिसके बाद उन्होंने तबेले में जाकर देखा तो आठ बकरियां मृत पड़ी थी. इस घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई.

सहवनक्षेत्र अधिकारी एम. वी. शामकुवर के मार्गदर्शन में वनरक्षक संदीप गायकवाड़ (बिट रंगीला), वनरक्षक सविता रंगारी (बिट डोंगरगांव), वनरक्षक एम.एल. शहारे (किटाडी) और अन्य वन कर्मचारी मौके पर पहुंचे. मृत बकरियों का पंचनामा किया गया और पशु चिकित्साधिकारी हटवार ने शव का पोस्टमॉर्टम किया. इसके बाद बकरियों के शवों को जमीन में दफना दिया गया.

नाबालिग पर अत्याचार

आरोपी को भेजा जेल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : युवक ने 17 साल की नाबालिग लड़की से पहचान कर और उसके साथ अत्याचार करने की घटना सामने आई है. पीड़ित युवती की शिकायत पर सिहोरा पुलिस ने वांगी तहसील तुमसर निवासी श्रीकृष्ण धीरेंद्र पटले (23) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस के मुताबिक, नाबालिग लड़की जब बैंक ऑफ इंडिया सिहोरा में अपना खाता चेक करने गई तो उसकी मुलाकात श्रीकृष्ण से हुई.

उसने अपना मोबाइल नंबर दे दिया. घर छोड़ने के बहाने वह 27 सितंबर को नाबालिक को चांदपुर घुमाने ले गया. उसने चांदपुर जंगल परिसर में उसके साथ अत्याचार किया. इसके बाद 29 और 30 सितंबर को फिर से पीड़ित लड़की को चांदपुर ले जाया गया और दोबारा वही हरकत की गई. उसने इसके बारे में किसी को बताया तो मारने की धमकी दी. पीड़िता ने शिकायत की. सिहोरा थाना में धारा 69,351 (2), उपधारा 4,6, पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया. उक्त अपराध में आरोपी को 31 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भंडारा भेज दिया गया. थानेदार नितिन मदनकर के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरिक्षक हरिदास पुसराम, अंमलदार तिलक चौधरी जांच कर रहे हैं

चरवाहे के ऊपर से दौड़ा डेढ़ सौ गायों का झुंड

जांभोरा में अद्भुत गोधन पूजा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

करडी : कल्पना कीजिए कि आप जमीन पर लेटे हैं और ऊपर से दौड़ती चली आ रही है डेढ़ सौ गायों की टोली। मोहाड़ी तहसील के जांभोरा गांव में हर साल बलिप्रतिपदा पर गोधन पूजा के दौरान यह हैरतअंगेज दृश्य देखने को मिलता है. इस साल भी विनायक परतेकी (35) के शरीर के ऊपर से इन गायों का झुंड बिना रुके गुजर गया और वह सुरक्षित और अचंभित रह गए. यह परंपरा 150 साल पुरानी है, जो परतेकी परिवार ने शुरू की थी और आज तक हर वर्ष निभाई जा रही है.

इस पूजा में गांव की सभी गायों को नहलाया जाता है, उनकी सोंगों को सजीली रस्सियों से सजाया जाता है और फिर चावल के हलवे से उनका स्वागत होता है. इसके बाद गांव के मुख्य चौक तक गायों की रैली निकाली जाती है. चरवाहे जमीन पर लेट जाते हैं और गायों का झुंड उनके शरीर से गुजरता है. न तो डर का कोई निशान और न ही चोट का कोई संकेत.

यह दृश्य देखने के लिए हर साल सैकड़ों लोग यहां आते हैं, जिन्हें इस रोमांचकारी परंपरा पर विश्वास और हैरत दोनों होता है. विनायक परतेकी का कहना है कि, यह गोमाता का आशीवांद है जो हमें सुरक्षित रखता है. यह आस्था और निष्ठा का प्रमाण है. 150 सालों से यह परंपरा किसी को नुकसान पहुंचाए बिना जारी है और हमें विश्वास है कि यह आगे भी ऐसे ही चलती रहेगी.

अपराधी चंदू फुंडे तड़ीपार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : भंडारा जिले के साकोली उपविभागीय अधिकारी अश्विनी मांजे ने लाखनी तहसील के सोनमाला निवासी चंदू भास्कर पुंडे को भंडारा जिले से तीन महीने के लिए तड़ीपार करने का आदेश जारी किया है. 38 वर्षीय चंदू पुंडे के खिलाफ रेती तस्करी, चोरी, सरकारी कर्मचारियों को धमकाने और मारपीट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज है.

पुलिस अधीक्षक भंडारा के पत्र के तहत मुंबई पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 56 (1) (अ) (ब) के तहत यह आदेश पारित किया गया. यह आदेश 15 अक्टूबर 2024 से अगले तीन महीनों तक लागू रहेगा.

चंदू पुंडे के खिलाफ साकोली पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं, जिसमें चोरी (धारा 379), सार्वजनिक संपत्ति नुकसान (1984 अधिनियम), सरकारी कर्मचारी से मारपीट (धारा 353), और धमकी देना शामिल हैं.

इसके अलावा, महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता, 1966 के तहत भी उनके खिलाफ मामला दर्ज है. इस प्रकार के मामलों के कारण चंदू को जिले की शांति और कानून व्यवस्था के लिए खतरा मानते हुए उपविभागीय अधिकारी ने यह सख्त कदम उठाया है.

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमेशर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक -शमशेर खान मोबाईल नंबर - ७९७२७९५६५५ ईमेल-awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655
Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !